International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, January-June 2024, Submitted in March 2024, ISSN -2393-8048

विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु के प्रभाव का अध्ययन

कृष्णा कुमारी, शोधार्थी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
डॉ. मंजू शर्मा, सहायक आचार्य, शोध निर्देषिका, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, श्री अग्रसेन स्नातकोतर शिक्षा महाविद्यालय, सी.टी.ई., केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर (राज.)

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु के प्रभाव का अध्ययन करना था। इस अध्ययन के लिए प्रायोगिक विधि का प्रयोग किया गया। न्यादर्ष के लिए जयपुर जिले के 60 विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु द्वारा षिक्षण का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

मुख्य शब्दः– संवेगात्मक बुद्धि, डिजिटल पाठ्यवस्तु।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में, जहाँ डिजिटल तकनीक ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नया मोड़ लिया है, वहीं इसने विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। संवेगात्मक बुद्धि, जिसे हम Emotional Intelligence (EI) के नाम से भी जानते हैं, वह क्षमता है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानता, समझता और नियंत्रित करता है। यह केवल शैक्षिक सफलता से जुड़ी नहीं होती, बल्कि यह विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक कौशल और जीवन की जटिल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता को भी प्रभावित करती है।

आजकल विद्यार्थियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर आधारित पाठ्यवस्तु के माध्यम से शिक्षा प्राप्त होती है। डिजिटल पाठ्यवस्तु, जैसे ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स, इंटरेक्टिव वीडियो, गेम्स, और अन्य डिजिटल माध्यम, विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को अधिक आकर्षक और प्रभावी बना सकते हैं। हालांकि, यह भी देखा गया है कि इन डिजिटल साधनों का अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों के संवेगात्मक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यह उन्हें एकांतप्रिय बना सकता है, सामाजिक संपर्कों में कमी ला सकता है और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है।

इस डिजिटल युग में, जहां तकनीकी साधन विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने में सहायक साबित हो रहे हैं, वही उनके संवेगात्मक और मानसिक विकास के संदर्भ में यह आवश्यक हो गया है कि हम डिजिटल पाठ्यवस्तु के प्रभाव का गहराई से अध्ययन करें। यह जानना जरूरी है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म्स विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि को सुधारने में सहायक हैं, या क्या वे भावनात्मक समस्याओं और तनाव के स्रोत के रूप में कार्य कर रहे हैं।

इस संदर्भ में, डिजिटल शिक्षा का विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है जिसे इस अध्ययन के माध्यम से समझने की कोशिश की जाएगी।

शोध के उद्देश्य

1 विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

1 विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध विधि एवं प्रविधि

प्रस्तुत षोध अध्ययन में प्रायोगिक विधि का प्रयोग किया गया है। राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को अध्ययन की जनसंख्या है। न्यादर्ष के लिए राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के माध्यमिक स्तर के 60 विद्यार्थियों का चयन उद्देष्यपूर्ण न्यादर्ष विधि द्वारा किया गया। प्रदत्तों का संकलन करने हेतु हेदे, पेठे और धर द्वारा निर्मित संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया एवं विद्यार्थियों को डिजिटल पाठ्यवस्तु द्वारा षिक्षण कार्य करवाया गया। प्रदत्तों का विष्लेषण करने हेतु माध्य, मानक विचलन एवं टी परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना 1 – विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

तालिका : 1 विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु का प्रभाव

समूह	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी –मूल्य	परिकल्पना की सार्थकता
प्रयोगात्मक समूह	30	146.12	12.61	6.24	अस्वीकृत
नियंत्रित समूह	30	126.82	11.31		

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, January-June 2024, Submitted in March 2024, ISSN -2393-8048

विश्लेषण –

उपर्युक्त तालिका में विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु द्वारा षिक्षण के प्रभाव को दर्षाया गया है। तालिका में दर्षाये गये आंकड़ों को देखने पर यह ज्ञात होता है कि प्रायोगिक समूह के विद्यार्थियों का मध्यमान 146.12 तथा मानक विचलन 12.61 है और नियंत्रित समूह के विद्यार्थियों का मध्यमान 126.82 तथा मानक विचलन 11.31 है। मध्यमान और मानक विचलन से टी–परीक्षण की गणना करने पर टी का मान 6.24 प्राप्त हुआ, जो कि सार्थकता स्तर 0.05 के तालिका मान से अधिक है। अतः षून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर डिजिटल पाठ्यवस्तु द्वारा षिक्षण का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

आरेख – 1

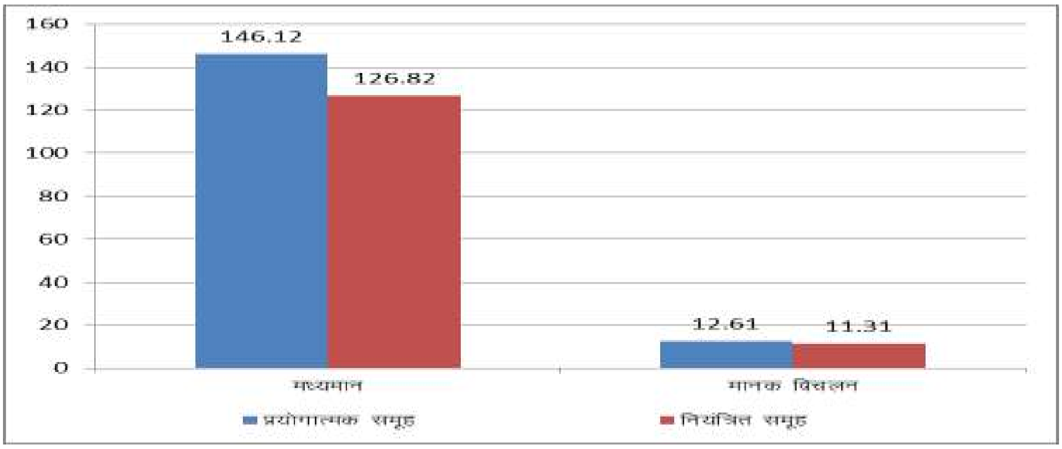

सुझाव

- **संतुलित उपयोग–** डिजिटल और पारंपरिक सामग्री का संतुलित उपयोग किया जाए।
- **संवेगात्मक समावेश–** डिजिटल सामग्री में भावनात्मक बुद्धि के तत्व जोड़े जाएं।
- **समय पर प्रतिक्रिया–** विद्यार्थियों को वास्तविक समय में प्रतिक्रिया और सहायता दी जाए।
- **नया मूल्यांकन–** संवेगात्मक बुद्धि का मूल्यांकन नए तरीकों से किया जाए।
- **मनोवैज्ञानिक सहायता–** मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देते हुए परामर्श सेवाएं दी जाएं।
- **सामाजिक शिक्षा–** डिजिटल और सामाजिक अनुभवों का समावेश किया जाए।
- **प्रेरक सामग्री–** सकारात्मक और प्रेरक डिजिटल सामग्री बनाई जाए।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम– संवेगात्मक बुद्धि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।
- **नकारात्मक प्रभाव**– अत्यधिक डिजिटल उपयोग के नकारात्मक प्रभावों की जांच की जाए।
- **शिक्षक प्रशिक्षण–** शिक्षकों को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर संवेगात्मक बुद्धि के प्रति संवेदनशील बनाया जाए।

सन्दर्भ गंथ सूची

- आहूजा, राम (2015). *सामाजिक अनुसन्धान.* जयपुर : रावत पब्लिकेशन्स।
- ओबेरॉय, एस.बी. (2008), *शैक्षिक तकनीक,* नई दिल्ली: प्रकाशक आर्य बुक डिपो।
- कपिल, एच. के. (2015). *अनुसन्धान विधियाँ व्यवहारपरक विज्ञानों में.* आगरा : एच.पी. भार्गव बुक हॉउस।
- सिंह, अरुण कुमार (2017). *मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ (बारहवाँ संस्करण).* वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास।
- श्रीवास्तव, डॉ. रामजी. व आनन्द, डॉ. बानी (2008). *मनोविज्ञान, शिक्षा तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों में अनुसन्धान विधियाँ.* वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास।